बदलाव | देश के सबसे स्वच्छ शहर में नाला बन चुकीं कान्ह और सरस्वती नदियों को फिर से किया गया जीवंत, अब कुछ हिस्सों में तैरती हैं मछलियां

इंदौर ने लिखी नदी के पुनर्जीवन की नई कहानी

जागरण विशेष

ईश्वर शर्मा • इंदौर

दुनिया में जब भी नदी को पुनर्जीवित करने की बात होती है तो लंदन की थेम्स नदी को फिर से जीवंत बना देने का उदाहरण दिया जाता है। मगर अब लंदन की ये कहानी बहुत पुरानी हो चुकी। नई कहानी इंदौर ने लिखी है, जिसने अपनी कान्ह और सरस्वती नामक दो नदियों को पुनर्जीवित कर दिया है। अब ये नदियां इतनी जीवंत हैं कि इनके कुछ हिस्सों में मछलियां तैरती हैं।

80% तक घट चुकी है इंदौर के अधिकांश नालों में गंदे पानी की आवक

5,500 बड़े तथा 1800 घरेलू व छोटे नालों को बंद किया गया, जो पहले कान्ह व सरस्वती नदी में मिलते थे

नालों के गंदे पानी के उपचार के लिए कबीटखेड़ी में बनाया गया ट्रीटमेंट प्लांट • नईदुनिया

इंदौर ने ऐसे किया कमाल : एक समय ऐसा था जब कान्ह नदी इंदौर के सबसे बड़े नाले के रूप में पहचानी जाती थी। किंतु अब करीब 21 किमी लंबी कान्ह नदी का अधिकांश हिस्सा साफ किया जा चुका है। इसी तरह 15 किमी लंबी सरस्वती नदी को भी इंदौर साफ कर चुका है। इन नदियों में मिलने वाले करीब 5500 बड़े तथा 1800 घरेलू व छोटे नालों को बंद करने का काम भी किया गया। इन नदियों में बहने वाला गंदा पानी शहर के सात सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों में भेजा जाता है, जहां प्रतिदिन 312 एमएलडी से अधिक गंदे पानी को उपचारित करके उसे इन नदियों में बहाया जाता है।

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

कभी निर्मल नदी थी, फिर नाला बनी, अब फिर नदी

इंदौर की सरस्वती नदी 1970 तक निर्मल थी। फिर इंदौर की आबादी बढ़ी और गंदे नाले बढ़ते गए, जिनका पानी इसमें जाने लगा। इस तरह एक दशक में यह नदी गंदा नाला बन गई। किंतु अब फिर यह अपने मूल स्वरूप में लौट रही है। अब पानी की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए नगर निगम ने निजी मदद से नदी में कृत्रिम फ्लोटिंग द्वीप का निर्माण किया है। इससे पानी के जैविक आक्सीजन डिमांड (बीओडी) के स्तर में सुधार हुआ है। पानी में फास्फोरस और नाइट्रोजन को पुन : चक्रित करके शैवाल की उपज को भी रोका जा रहा है।

विशेष मशीनों के जरिये नदी से निकाला गया कचरा • नईदुनिया

केंद्र ने बढ़ाया हाथ, इंदौर ने लपक लिया

केंद्र सरकार ने देश के लगभग सभी प्रमुख शहरों को अमृत योजना के तहत गंदे पानी की समस्या से निपटने के लिए बजट देने का प्रविधान किया था। इंदौर ने इस योजना को तुरंत लपक लिया। इस योजना के तहत 220 करोड़ रुपये खर्च कर इंदौर में सात सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने का काम हुआ। इन सीवरेज प्लांट से 397 .50 एमएलडी गंदे पानी को प्रतिदिन साफ कर लेने की क्षमता हासिल कर ली गई है।